भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् – 2080 ● मासिक पत्र : मई 2023 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

नई दिल्ली। भिवानी परिवार मैत्री संघ ने उषा चेतन की स्मृति में लगातार तीसरे वर्ष भव्य नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया। अग्रवाल वैश्य समाज संगठन की प्रेरणा से महाराजा अग्रसेन भवन, सेक्टर-5 रोहिणी में इस मेडिकल कैंप में इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल और राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की टीम द्वारा 300 से अधिक रोगियों की ओपीडी की गई । इस कैंप में 81 लोगो की लेंस वाली आंखो की सर्जरी का रजिस्ट्रेशन और 78 लोगो का कैंसर परीक्षण किया गया। रोगियों के लिए भंडारे की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। इस भव्य मेडिकल कैंप में भाजपा दिल्ली के कोषाध्यक्ष श्री विष्णु मित्तल, अग्रोहा मेडिकल कॉलेज के महासचिव जगदीश मित्तल, महाराजा अग्रसेन भवन के प्रधान जगदीश बंसल और भिवानी के लोकप्रिय समाज सेवी मामन चंद गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे। भिवानी परिवार की टीम और गणमान्य अतिथियों ने उषा चेतन के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उनको श्रद्धांजलि भी अर्पित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकम के संयोजक संजय गुप्ता, श्रीमती मीनाक्षी गर्ग, एन आर जैन, दिनेश गुप्ता, वरुण मित्तल ने बहुत श्रम किया । संस्था के प्रधान कवि राजेश चेतन ने सबका धन्यवाद किया।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक
जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक
सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक
सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय
भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)
प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89
दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com
http://www.ebhiwani.com

अप्रैल 2023 में संस्था द्वारा की गई गतिविधियां

संस्था द्वारा फिर से साप्ताहिक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन शुरू किया गया है, जिसमें अभी तक के वेबिनार में डॉ. कुमार, श्री दुर्गेश त्रिपाठी एवं श्री अतुल सत्य कौशिक ने स्वास्थ्य, समाज एवं अध्यात्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

सम्पादकीय

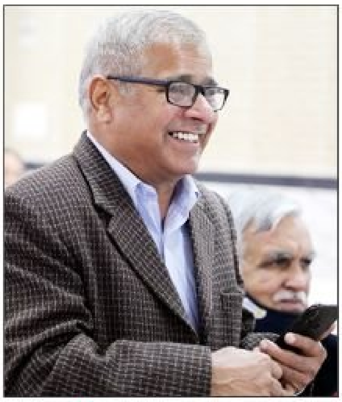

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

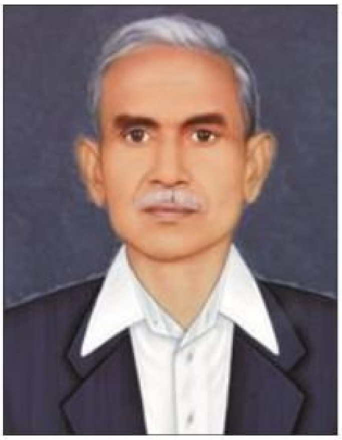

श्री धर्मनंदन जी सोनी

आपके समय में शिक्षा का प्रसार न के बराबर होते हुए भी आपने दसवीं पास करके जे.बी.टी. की तथा शिक्षक के रूप में सरकारी सेवा में पदार्पण किया । शिक्षा के प्रति समर्पण को देखते हुए आपको हरियाणा के महामहिम राज्यपाल ने 24 फरवरी 1967 में राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया तथा 2 वर्ष पश्चात 1969 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया गया । आप अनेक संस्थानों द्वारा सम्मानित हुए । स्वर्णकार सभा में आप प्रधान व संरक्षक रहकर अंतिम समय तक समाजसेवा से जुड़े रहे ।

आपके दादा जी श्री पन्नालाल सोनी ने पतराम गेट के बाहर गोपाल गोरस गोशाला का निर्माण कराकर गो सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। आपके तीन सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद, शेर सिंह व नंदगोपाल अपने-अपने क्षेत्र में कार्यरत हैं।

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

स्व. श्री मूलचंद गर्ग जी
16 अप्रैल 2023

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

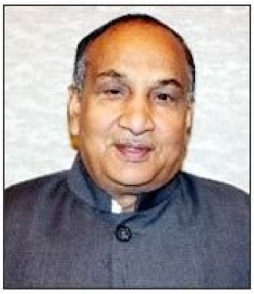
श्री गोविंद राम बंसल
सदस्य कार्यकारिणी
2 मई

श्री प्रेम कुमार भज्जनका
संरक्षक सदस्य
2 मई

श्री बदरी प्रसाद बंसल
संरक्षक सदस्य
8 मई

श्री सुनील अग्रवाल
उप प्रधान-बीपीएमएस
8 मई

श्री सत्य नारायण गुप्ता
संरक्षक सदस्य
13 मई

श्री सुभाष बंसल
संरक्षक सदस्य
13 मई

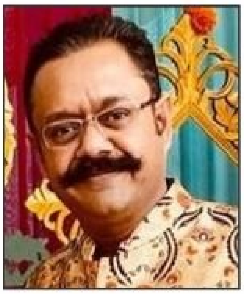
श्री रविन्द्र गोयल
संरक्षक सदस्य
17 मई

भिवानी गौरव
श्री सोमवीर सांगवान
20 मई

श्री मनीष गोयल
संयुक्त सचिव-बीपीएमएस
23 मई

भिवानी परिवार मैत्री संघ की वस्त्र एवं वस्तु समिति द्वारा कलेक्शन कैम्प का आयोजन

नई दिल्ली। अप्रैल माह की 15 तारीख को भिवानी परिवार मैत्री संघ की वस्त्र एवं वस्तु समिति द्वारा गूंज के साथ मिलकर एक कलेक्शन कैम्प का आयोजन किया गया । जिसमें भारी मात्रा में वस्त्र एवं घर की जरूरत का सामान एकत्रित किया गया, जिसे वस्त्र एवं वस्तु समिति जरुरतमन्द द्वारा जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

कलेक्शन कैम्प को सफल बनाने में वस्त्र एवं वस्तु समिति के समस्त पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा, जिनकी देख-रेख में कैम्प का सफल आयोजन किया गया।

मेरी कलम से

पौधारोपण : महत्व

सुश्री मंजीत मरवाहा

कुछ रुख मैनू पुत्त लगदे ने
कुझ रुख लगदे मावा,
कुछ रुख नूहाँ धीया लगदे
कुछ रूख वाँग भरावां
कुछ रुख मेरा दिल करदा,
मोडे चुक खिंडावा
कुछ रूख मेरा दिल करदा,
चुम्मा ते मर जावा
जे तुसां मेरा गीत है सुनना,
मै रुखां विच गावा
रूख तां मेरी मां वरगे ने
जियों रुखां दीयां छावां

पंजाब के मशहूर कवि शिव कुमार बटालवी ने अपनी इस कविता में रूख (पेड़ों) के प्रति अपना प्यार, सम्मान दिया है। उनकी इस अभिव्यक्ति से उन्हें पेड़ों में ही सभी सम्बन्ध नज़र आते हैं- माता, पिता, भाई, दोस्तों वगैराह ये सब रिश्ते इन पेड़ों में नजर आते हैं।

पेड़ों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है । आज भी इस आधुनिकरण के जमाने में गाँव में चौपाल की बात होती है। गांव में एक 100 साल पुराना बरगद का पेड़ और उसके नीचे बैठे 15-20 पुराने दोस्त गपशप करते नज़र आते हैं। एक ऐसी जगह जहां सौहार्द पूर्ण वातावरण, हंसी ठट्ठा, घर से लेकर राजनीति वह की चर्चा करते इस पेड़ के नीचे बैठकर जिन्दगी का आनन्द उठाते लोग । एक सुखद अनुभव । पेड़ चाहे नीम का हो या पीपल का, इसका चौतरा सभी को मिलाने की जगह बन जाता है। यह परम्परा लोगों में भाईचारा की भावना लाती है और एकता का प्रतीक भी है है। गांव की समस्या, उसका समाधान भी चौपाल में ही किया जाना चौपाल की महत्ता के साथ-साथ उस पेड़ की महत्व को भी दर्शाता है। वृक्षों का मानव जीवन में और पर्यावरण में संतुलन स्थापित करने में सबसे बड़ा योगदान है।

आज हम प्रौद्योगिकी के इतने आदि हो गए है कि हमारा ध्यान पर्यावरण पर होने वाले हानिकारक प्रभाव पर नहीं जाता। पेड़ों का जंगलों में भारी तादाद जाना में काटे जाना हमारे जंगलों को नष्ट कर रहा है। अगर हम अच्छा जीवन चाहते हैं तो यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण की ओर ध्यान दें अधिक से अधिक पेड़ों को लगाए। वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण पहलू है। पेड़ पर्यावरण से हानिकारक गैसों को अवशोषित करते है। जिससे वायु शुद्ध और ताजी बनी रहती है। हरे भरे पेड़ आक्सीजन का उत्पादन कर हमें तंदरुस्त रखेंगे । पेड़ जमीन को उपजाऊ भी बनाते हैं। यही नहीं सड़कों के इर्द गिर्द लगे वृक्ष यांत्रियों को विशेषकर ग्रीष्म ऋतु में राहत प्रदान करते हैं।

उत्तराखण्ड (तब उत्तर प्रदेश का भाग) में 1973 में चिपको आंदोलन शुरू किया गया । यह किसानों ने वृक्षों की कटाई के विरोध में करने के लिए किया था। वे राज्य के वन विभाग के ठेकेदारों द्वारा वन थी कटाई का विरोध कर रहे थे और उन पर अपना परम्परागत अधिकार जता रहे थे । यह आंदोलन तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चमोली जिले में सन 1973 में प्रारम्भ हुआ। एक दशक में यह पूरे उत्तराखण्ड में फैल गया । आंदोलन की मुख्य बात थी कि स्त्रियों ने भी भारी संख्या में भाग लिया ।

आंदोलन था घोषवाक्य:-

'क्या है जंगल में उपकार, मिट्टी, पानी और बयार मिट्टी, पानी और बयार, जिन्दा रहने के आधार।' 1987 में इस आंदोलन को सम्यक जीविका पुरस्कार से सम्मानित किया गया । हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पौधारोपण करके मनाया जाता है । कवि की वृक्षारोपण के लिए अभिव्यक्ति है' जन-जन को जो व्यथित कर रहा-

'अन्त करो प्रदूषण का।
आरंभ करो वृक्षारोपण का !!'

चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

गिल्ली-डंडा पतंग उड़ाना देखा मेरी पीढ़ी ने
यार दोस्तों से बतियाना देखा मेरी पीढ़ी ने

तख्ती पोती कलम चलाई और स्लेट पर खूब लिखा
मास्टर जी से डंडे खाना देखा मेरी पीढ़ी ने

पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय-चिट्ठियाँ, मनीऑर्डर और तार
डाकिये का आवाज लगाना देखा मेरी पीढ़ी ने

संध्या होते खाट-बिस्तरे, पंखे तक लग जाते थे
छत पर पानी का छिड़काना देखा मेरी पीढ़ी ने

ढिबरी, दिया और लालटेन घर-घर में जलते देखी है
बत्ती वाला स्टोव जलाना देखा मेरी पीढ़ी ने

साबुन, शैम्पू, तोबा-तोबा, मुल्तानी मिट्टी मलते
बालों में नित तेल लगाना देखा मेरी पीढ़ी ने

एंटीना थे ऊँचे-ऊँचे, श्वेत-श्याम टेलिविजन
चित्रहार का फिल्मी गाना देखा मेरी पीढ़ी ने

बैल-गाड़ियां, ट्रैक्टर-ट्राली, टैम्पो-मेटाडोर मिली
बस की छत पर चढ़कर जाना देखा मेरी पीढ़ी ने

काला धुँआ, भाप का इंजन, छुक-छुक पैसेंजर ट्रेनें
बिस्तर बंद काँधे लटकाना देखा मेरी पीढ़ी ने

घर छोटे, परिवार बे थे, लोग मगर दरियादिल थे
रिश्तेदारी खूब निभाना देखा मेरी पीढ़ी ने।

बीपीएमएस की सेवा समितियां

समिति	प्रभारी	चेयरमैन
मैट्रीमोनियल समिति	श्री राजेश चेतन	श्री सुनील बंसल
कैंसर केयर समिति	श्री दिनेश गुप्ता	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग
वस्तु-वस्त्र समिति	श्री संजय जैन	श्री संजय गुप्ता
बिजनेस पाठशाला	श्री प्रमोद शर्मा	श्री सचिन मेहता
पर्यावरण समिति	श्री सुशील गनोत्रा	श्रीमती पूजा बंसल
अपना घर आश्रम समिति	श्री हंसराज रलहन	श्री सांवरमल गोयल
अंगदान-नेत्रदान समिति	श्री सुनील अग्रवाल	श्री एन आर जैन
शिक्षा समिति	श्री पवन मोडा	श्री संजय जैन
टुरिज़्म समिति	श्री मनीष गोयल	श्री उमेश मित्तल
स्वास्थ्य समिति	श्री विनय सिंघल	श्री वरुण मित्तल

व्रत-त्योहार मई 2023

शनि जयंती, शुक्रवार, 19 मई
गंगा दशहरा, मंगलवार, 30 मई
निर्जला एकादशी, बुधवार, 31 मई